केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तांक
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
S.K. Jatav (Principal) V.No. 741811	N.S. GHOSHI UMT V.No. ~~741814~~ 23035

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र.1 उत्तर => ① स्पॉन

② क्लोरोफाइटम बोरीविलियानम

③ मशरूम

④ लेमन घास

⑤ ~~फ्लोरेसेंसी~~ पुष्पोद्भि

⑥ पोदीना

प्र.2 उत्तर => ① सत्य

② असत्य

③ सत्य

④ सत्य

B S E

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

⑤ असत्य

⑥ सत्य

प्र.3. उत्तर ⇒ ① (c) B

② (b) एफ. वाई. एम.

③ (d) P

④ (c) 46%

⑤ (d) फैलेरिस माइनर

⑥ (b) गन्ने की फसल में

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र.4. उत्तर => ① जोन्थोमोनास सिट्री नामक जीवाणु

② बेन्जीन हेक्सा क्लोराइड

③ 2,4- डाईक्लोरो फीनॉक्सी एसीटिक एसिड

④ • अरहर का बंध्यता मोजेक विषाणु के कारण होता है
• जो एक सूक्ष्म की माइट फैलाता है।

⑤ भारत

BSE

प्र.5. उत्तर =>

(अ)		(ब)
1. अंगूर	–	थूटी बेदाना
2. पपीता	–	पपेन
3. आम	–	C.N

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

4. यूफोरबिएसी – आँवला

5. अमरूद – मृग बहार

उत्तर ⇒ आम में एकान्तर फलन के कारण ⇒ आम में एकांतर फलन के निम्न कारण हैं-

1. C:N अनुपात ⇒ आम के पौधे में कार्बोहाइड्रेट ~~का सही अनुपात~~ तथा नाइट्रोजन का सही अनुपात 10:1 है। यह अनुपात बिगड़ने से आम में एकान्तर फलन होता है।

2. लिंग अनुपात ⇒ आम में नर पुष्प तथा मादा पुष्प के अनुपात को लिंगानुपात कहते हैं। आम में नर तथा मादा पुष्पों के अनुपात बिगड़ने पर एकान्तर फलन होता है।

3. बीजाण्डों का झड़ना ⇒ आम के बीजाण्डों के झड़ने से भी आम में एकान्तर फलन होता है।

B
S
E

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्र.7. उत्तर => दीर्घकालीन फल तथा सब्जी परिरक्षण की विधियां -

1. रासायनिक परिरक्षक पदार्थों द्वारा => फलों तथा सब्जियों को स्थायी ~~रूप से संरक्षित रखने~~ के लिए रासायनिक परिरक्षकों का उपयोग किया जाता है। जैसे- पोटेशियम ~~~~ मेटा-~~सोडियम~~ बाईसल्फाइट सोडियम मेटा- बाई सल्फेट सोडियम बेन्जोएट आदि।

2. चीनी => फलो तथा सब्जियों के संरक्षण में उनमें चीनी की 60-75% मात्रा मिलाने पर उनका स्थायी परिरक्षण हो जाता है।

3. नमक द्वारा => फलों तथा सब्जियों के स्थायी परिरक्षण के लिए नमक 15-20% मिलाते हैं।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्र.8. उत्तर ⇒ ब्लांचिंग ⇒ फलों तथा सब्जियों को डिब्बों में भरने से पहले निर्धारित समय तक के लिए गर्म पानी में रखते हैं। इससे फल की दुर्गन्ध गंदगी तथा जीवाणु दूर हो जाते हैं। फल मुलायम हो जाता है।

प्र.9. उत्तर ⇒ सहकारिता के सिद्धांत ⇒ सहकारिता के सिद्धांत निम्न. हैं-

1. समानता ⇒ सहकारिता में प्रत्येक सदस्य को समान अधिकार प्राप्त होते हैं।

2. लोक कल्याण ⇒ सहकारिता लोककल्याण की सिद्धान्त का पालन करती है।

3. मितव्ययता ⇒ सहकारिता अपने कार्यों को कम-से-कम खर्च में पूरा करने का प्रयास करती है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्र. 10. उत्तर => भू- सर्वेक्षण के उद्देश्य => भू- सर्वेक्षण के उद्देश्य निम्न हैं-

1. खेतों की सीमा निर्धारण करना।

2. भूमि संबंधी आपसी विवादों को सुलझाना।

3. खेतों में उचित स्थान पर नाली मेंड़ तथा रास्तों का निर्माण करना है।

B
S
E

प्र. 11. उत्तर => खरपतवारों के लाभ => खरपतवारों के लाभ निम्न हैं-

(i) खरपतवार मृदा में पककर तथा सड़कर मृदा की उर्वरा शक्ति में वृद्धि करते हैं।

(ii) खरपतवार मृदा क्षरण को रोकते हैं।

(iii) ~~खर~~ खरपतवारों का उपयोग पशु चारे के रूप में किया जाता है। जैसे- दूब घास।

9

योग ... पृष्ठ 9 के अंक ... कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र.12. उत्तर ⇒ उत्तम हरियाली की विशेषताएँ –

(i) हरियाली वर्ष भर हरी, सघन तथा सुन्दरता बनाए रखने वाली होनी चाहिए।

(ii) हरियाली ~~पौधों~~ पर चुभने वाली नहीं होनी चाहिए।

(iii) हरियाली दुर्गन्ध रहित होना चाहिए।

(iv) हरियाली खरपतवार रहित होना चाहिए।

प्र.15. उत्तर ⇒

नाम	वानस्पतिक नाम	कुल
1. ~~अंकुर~~ अंगूर	विटिस विनिफेरा	वाइटेसी
2. केला	मूसा पेराडिसिएका	म्यूसेसी
3. पपीता	केरिका पपाया	कैरिकेसी

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र.15. उत्तर => खाद तथा उर्वरक में निम्न. अंतर है-

खाद	उर्वरक
1. ये कार्बनिक पदार्थ होते हैं।	1. यूरिया को छोड़कर सभी अकार्बनिक पदार्थ होते हैं।
2. खाद खेतों में तैयार किए जाते हैं।	2. उर्वरक कारखानों में तैयार किए जाते हैं।
3. खाद में पोषक तत्व कम मात्रा में होते हैं।	3. उर्वरक में पोषक तत्व अधिक मात्रा में होते हैं।
4. खाद से मृदा की भौतिक दशा में सुधार होता है।	4. उर्वरक से मृदा की भौतिक दशा में कोई सुधार नहीं होता।

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्र. 15. उत्तर=) उर्वरकों के नाम व पोषक तत्वों की मात्रा =>

1. नाइट्रोजन युक्त उर्वरक - उर्वरक N_2 प्रतिशत

1. यूरिया - 46 %.

2. CAN - 26 %.

3. सोडियम नाइट्रेट - 15 %.

2. फास्फोरस युक्त उर्वरक - उर्वरक P प्रतिशत

1. सिंगल सुपर फास्फेट - 15-16 %.

2. डबल सुपर फास्फेट - 30-32 %.

3. ट्रिपिल सुपर फास्फेट - 45-48 %.

3. पोटाश युक्त उर्वरक -

उर्वरक K प्रतिशत

1. पोटैशियम क्लोराइड - 50-60 %.

2. पोटैशियम सल्फेट - 48-52 %.

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र.26. उत्तर => रोगों के नाम => रोगों के नाम निम्न है-

1. गन्ना का रोग - लालसड़न => लाल सड़न गन्ना का एक भयंकर रोग है जो कोलेटोट्राइकम फलकेटम नामक कवक के कारण होता है। इस रोग में गन्ना की तना सड़ने लगती है। तने को चीरने पर लाल रंग की धारियाँ दिखाई देती हैं।
इसकी रोगथाम के लिए गन्ना को एगलाल से उपचारित करके बोना चाहिए।

2. चना का रोग - उकठा रोग => चना में उकठा रोग कवक के कारण होता है। इसमें चने की पत्तियाँ सूखने लगती हैं तथा धीरे धीरे पूरा पौधा सूख जाता है।
इसकी रोकथाम के लिए गन्नों को कवकनाशियों से उपचारित करके बोना चाहिए।

3. मटर का रोग - चूर्णिल फफूंद => यह एक कवक जनित रोग है। इसके आक्रमण से पूरा पौधा सूखने लगता है। पौधों में फूल तथा फल नहीं बनते हैं।
रोकथाम के लिए कैप्टान या थायरम से बीजों

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

को उपचारित करके होना चाहिए।

प्र. 17. उत्तर ⇒ अच्छी जैली की विशेषता ⇒ अच्छी जैली में निम्न विशेषता होनी चाहिए –

(i) जैली पारदर्शक होनी चाहिए।

(ii) जैली जिस फल से बनाई गई है, उसकी स्वाद तथा सुगन्ध होनी चाहिए।

(iii) जैली ऊँगली पर छूने पर न चिपके।

(iv) जैली चाकू से काटने पर चाकू में न चिपके।

(v) जिस ~~जैली~~ बर्तन में जैली ~~रख~~ रखी जाए उसकी आकार ग्रहण कर लेनी चाहिए।

(vi) जैली हिलाने पर काँपती रहे।

(vii) जैली ~~न~~ चाशनी न छोड़े।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

~~प्र.18.~~

प्र. 28. उत्तर =>

सिंचाई तथा जल निकास में अंतर

सिंचाई	जल निकास
1. सिंचाई में खेतों को पानी दिया जाता है।	1. जल निकास में खेतों से फालतू पानी द्वारा निकाली जाती है।
2. सिंचाई से ~~[illegible]~~ मृदा का जल स्तर बढ़ता है।	2. जल निकास से मृदा का जल स्तर घटता है।
3. सिंचाई का पानी पीने योग्य होता है।	3. जल निकास का पानी पीने योग्य नहीं होता।
4. सिंचाई की नालियाँ ऊँचे धरातल पर बनाई जाती है।	4. जल निकास नालियाँ भूमि के निचले धरातल पर बनाई जाती है।
5. सिंचाई की नालियों की आवश्यकता वर्ष भर होती है।	5. जल निकास नालियों की आवश्यकता प्रायः वर्षा ऋतु में होता है।

B
S
E

कुल अंक

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

9. 19. उत्तर ⇒ मूँग तथा अरहर के रोग तथा कीटों के नाम निम्न है-

① मूँग — 1. रोग ⇒ पीला मोजैक ⇒ मूँग में पीला मोजैक एक हानिकारक रोग है जो विषाणु के कारण होता है। इसमें पौधों की पत्तियाँ पीली पड़ने लगती तथा सूखने लगती हैं। यह रोग सफेद ~~मक्खी~~ मक्खी के कारण फैलता है। इस रोग के रोकथाम के लिए मेटासिस्टॉक्स का छिड़काव करना चाहिए।

2. कीट ⇒ फली बेधक ⇒ मूँग की फसल को यह कीट बहुत नुकसान पहुँचाता है। यह कीट मूँग की फली में छेद करके बीज को खाता है। इसकी रोकथाम के लिए D.H.C. या पैराथियान का छिड़काव करना चाहिए।

② अरहर — 1. रोग — उकठा रोग ⇒ अरहर का यह रोग कवक द्वारा होता है। इसमें पौधे की जड़े काली पड़ जाती हैं तथा शाखाएँ एवं पत्तियाँ सूख जाती हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीजों को कवकनाशियों से उपचारित करके बोना चाहिए।

BSE

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

२. कीट – फली वेधक => यह कीट अरहर की कलियों में छेद करके बीजों को खाता है तथा फसल को नुकसान पहुँचाता है। इसकी रोकथाम के लिए D.H.C. का छिड़काव करना चाहिए।

प्र. [illegible]. उत्तर => लैंगिक तथा वानस्पतिक प्रसारण में अंतर –

BSE

लैंगिक प्रसारण	वानस्पतिक प्रसारण
१. इसमें पौधे के लैंगिक [illegible] अंग भाग लेते हैं।	१. इस प्रसारण में पौधों के लैंगिक [illegible] अंग भाग नहीं लेते हैं।
२. इसमें परागण तथा निषेचन क्रिया होती है।	२. इसमें परागण तथा निषेचन क्रिया नहीं होती है।
३. इस विधि द्वारा नई जाति का निर्माण किया जा सकता है।	३. नई जाति का निर्माण नहीं किया जा सकता।
५. इस विधि द्वारा तैयार पौधे देर से फल देते हैं।	५. इस विधि द्वारा तैयार पौधे जल्दी फल देते हैं।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

5. इस विधि द्वारा तैयार पौधों का जीवन काल अधिक होता है।	5. इस विधि द्वारा तैयार पौधों का जीवनकाल कम होता है।
6. पौधे मजबूत होते हैं।	6. पौधे कमजोर होते हैं।

BSE